REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5 |2331(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO | 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 7 | ISSUE - 10 | JULY - 2018

कंम्प्यूटर सूचना प्रौदयोगिकी और हिंदी

डॉ. एम. ए. येल्लूरे
सहयोगी प्राध्यापक एवं शोध - निर्देशक
हिंदी विभाग प्रमुख , बी.एस.एस. कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, माकणी. तह. लोहारा जि. उस्मानाबाद.

प्रस्तावना -

आज संचार माध्यमों को दुनिया के विभिन्न देशो में संस्कृति के प्रतिमानों को आसानी से परस्पर ग्रहण किया जा रहा है | संस्कृति के आदान प्रदान में आयी तेजी के बावजूद भी भारतवासियों ने अपनी संस्कृतिक अस्मिता खोई नहीं है | अपने संस्कृतिक प्रतिकों और पदार्थो में लोगोंकी अभिरुची कायम है | जनसंचार ने हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक वैभव और लोकपरंपराओं को उभारा है |

आज का वर्तमान २१ वीं सदी सूचना एवं क्रांति का युग है सूचना क्रांति के इसयुग में संच्चार साधनों सें क्रांति आई है | नये-नये अविष्कार इन आयामों को और नई दिशाओं को उद्घाटित कर रहे हैं | कम्प्यूटर, ऑडियो- वीडियो, इंटरनेट, टेलिविजन , सिनेमा, मोबाईल, तार टेलिफोन रेडियो आदि संचार माध्यम हिंदी में विशेष रुप धारण कर चूके है | ये सारे के सारे उपकरण हिंदी को आज वैश्विक भाषा बनाने में रामबाण सिध्द् हुए है | इतनाही नहीं तो हिंदी का प्रयोग जोर कपडा नजर आने लगा है |

हिंदी के पक्ष में बहुमत है कि हिंदी परिवर्तनों, चुनौतियो, प्रतिस्पर्धाओं एवं समस्याओं के कई दौर से गुजरी है, पर हिंदी ने अपनी अंन्दरुनी ताकत से मानव उदयों को जोडा तो राष्ट्रीय एकता एवं भावात्मकता को मजबुत किया दैनंदिन के व्यवहार में तथा क्रियाकलापों को अपने रंग में रंगा तो कंम्प्यूटर में भी अपनी स्वतंत्र जगह बनाई | कंप्यूटर की कार्यनिष्पादन पध्दति संस्पष्ठ है कि कंप्यूटर में किसी भाषा की वर्णमाला के अक्षरों का प्रयोग नही होता | इसकी अपनी एक अलग मशीनी भाषा है समस्त सूचनाओं, जानकारियों और विवरणों को अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने के लिए पहले कंम्प्यूटर की भाषा में बदलना होता है | कंम्प्यूटर संचालन के भाषिक व्यवहार को व्यक्ति के लिए सुबोध व सरल बनाने की दृष्टि से प्रारंभिक चरण से लेकर अबतक उपयोगी एवं सरल भाषाओं की खोज के कई प्रयत्न हुए है | और आजभी अब भी हो रहे है | कई दशको में विभिन्न किस्मके कंप्यूटरों के लिए विभिन्न भाषाएँ विकसित की गई है | इन कंप्यूटर भाषाओं के विकास का मूल उददेश्य है कंम्प्यूटरों को मनुष्य की भाषा ग्रहण करने की क्षमता प्रदान करना | आज कंप्यूटरीकरण हर प्रकार के विकास के लिए एक अत्यंत आवश्यकता है |

1. कंम्प्यूटर -

आज व्यावहारिक सत्यता, शुध्दता, तीव्रता, विश्वासनियता , सुंदरता तथा गागर में सागर भरने की क्षमता रखनेवाली मशीन को संगणक या कंम्प्यूटर कहां जाता है | कंम्प्यूटर सूचना क्रांति का ध्वज वाहक है | आधुनिक युग में कंम्प्यूटर टेक्नोलॉजी का उपयोग जीवन के सभी क्षेत्रों में हो रहा है | कंम्प्यूटर से तैयार बिजली बिल, टेलिफोन बिल, स्कूल कॉलेजों विश्वविद्यालयों के परीक्षा परिणाम स्पर्धा परीक्षा रेल तथा हवाई यातायात टिकट बुकिंग, शोध संस्थान, उद्योग जगत, साहित्यिक तथा भाषा वैज्ञानिक अध्ययन के लिए हिंदी में कंम्प्यूटर औद्योगिकी का आज व्यापक पैमाने पर उपयोग में है |

2. सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति-

सुचना प्रौद्योगिको क्रांति से राजभाषा विभागने केंद्र सरकार के कार्यालयों के कामकाज में हिंदी भाषा के प्रयोग में राजभाषा विभाग के केद्रसरकार के कार्यालयों के कामकाज में हिंदी भाषा के प्रयोग में बढावा देने के लिए हिंदी सॉप्टवेयर भी विकसित किया जिससे सरकारी गैर सरकारी और प्रादूवेट कार्यालयों के इच्छुक कर्मचारी आसानी एवं प्रसंन्नतासे महत्तपूर्ण कामकाज हिंदी में कराते हैं | इस विभाग ने सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ सी डॅक के माध्यम से हिंदी प्रेमी तक पहुँचाया है | इसके फल स्वरुप उपलब्ध सॉप्टवेयर है हिंदी सीखने का

ऑनलाईन पाठयक्रम है जो अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के जरिए सीख सकते है सी- डॅक ने अभि- अभि दो सॉप्टवेयर विकसित किये है | श्रुतलेखन तो दूसरा है वाचांतर श्रुतलेखन में माइकोफोन के जरिए हिंदी स्पीच का हिंदी टेक्स्ट में लिपनंतर होता है | तो अंग्रेजी भाषण का अंग्रेजी के साथ - साथ हिंदी अनुवाद भी किया जा सकता है |

3. हिंदी में ई-मेल प्रणाली -

इन्टरनेट लोगों और कंम्प्यूटरां के बिच सूचना का आदान - प्रदान ई- मेल सुविधाके लिए सॉप्टवेयर कम्पनी सूची इन्फारमेंशन कम्पनी सिस्टम इन्दौर ने हिंदी देवनागरी में नि:शुल्क ई- मेल सेवा आरंम्भ की है यह एक देवनागरी के विकास पक्ष में इस सदी का क्रांतिकारी कदम सिध्द हुआ और देवनागरी के लिए नया प्रवेश द्वार खुल गया है | अब तो स्थिति है कि रोमन में टाइप होने पर भी एक छोर पर बैठा व्यक्ति दूसरे छोर से नागरी में लिखा पत्र प्राप्त कर सकता है |

हाँ विश्वसनीय सर्वेक्षण है | कि कंम्प्यूटर पर काम करनेवालक बँकों, द्वित्तीय संस्थाओं, उपक्रमों संगटनों एवं सरकारी कार्यालयों के अधिकारियो तथा कर्मचारियों में से अधिकांश अधिकारी- कर्मचारी हिंदी सॉप्टवेयर में प्रशिक्षित नहीं है | यह तथ्य भी उभरकर आया है कि द्विभाषी अथवा हिंदी सॉप्टवेयर में प्रशिक्षित अधिकारियों में से कुछेक अधिकारी कर्मचारी द्विभाषी सॉप्टवेयर का प्रयोग नही करतें है | स्वाभाविक है कि कंम्प्यूटर पर काम करनेवाले सभी अधिकारियों तथा कर्मचारीयों को द्विभाषी सॉप्टवेयर का प्रयोग करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाना अत्यंत आवश्यक है | तभी उनकी संपूर्ण सेवाओं का सार्थक उपयोग किया जा सकेंगा |

सूचना प्रौद्योगिकी के मौजूदा रुख को देखते हुए कंम्प्यूटर अनुप्रयोग प्रशिक्षण कार्यक्रम,नेटवर्क ट्रेनिंग कार्यक्रम, देवनागरी में कंम्प्यूटर प्रोग्रामिंग में प्रशिक्षण तथा जागृतता पैदा करने के लिए समय - समय पर हिंदी में सेमिनार संगोष्ठी और वैचारिक कार्यक्रमों का आयोजन करने से अधिकारियों और कर्मचारियों में हिंदी माध्यम में कंम्प्यूटर प्रशिक्षण के प्रति दिलचस्पी और लगाव पैदा होगा उनमें हार्डवेयर और सॉप्टवेयर के बारे में नई - नई जानकारियों मिलेगी और वे सभी स्तरोंपर कंम्प्यूटर में हिंदी प्रयोग को बढाने के लिए उत्साहपूर्वक कार्य करेंगे | फिर भी, कंम्प्यूटर प्रशिक्षण को बदलते परिवेश में प्रभावी, व्यावहारिक एवं परिणाम कारक बनाने के लिए निम्नलिखित तथ्योंपर पूरा ध्यान देना है |

1. हिंदी में कंम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करने वाले प्रशिक्षकका मूलभूत लक्ष्य कर्मचारियों में ज्ञान निपुणत्ता में वृध्दि करते हुए तथा उनकी मानसिकता एवं दृष्टि कोण में सकारात्मक परिवर्तन लाते हुए उनके दैनिक कंम्टयूर कार्य में हिंदी प्रयोग का विकास करना है |
2. अंग्रेजी नजानने वाले लोगों को उनकी अपनी क्षेत्रीय भाषा ओं में कंम्प्यूटरीकरण की प्रवृति को प्रशिक्षण द्वारा प्रोत्साहित किया जाना चाहिए
3. सरकारी स्तरपर राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र तथा हिंदी शिक्षण योजना द्वारा हिंदी सॉप्टवेयर में दिये जार हे प्रशिक्षण में गंभीरता और अधिक तेजी लाई जाय |
4. कंम्प्यूटर प्रशिक्षणार्थियों को कंम्प्यूटर की आधारभूत जानकारी सरल एवं सहज हिंदी भाषा में प्रदान करे
5. कंम्प्यूटर खोलना, बंदकरना, फाईलों को सुरक्षित रखना, माऊसपर नियंत्रण, करना, कुंजीपाटल की सामान्य जानकारी देना आदि तकनीकी बातों को विशेष रुप से बताया जाय | कुंजीपटलका अभ्यास करने, शुध्दता बनाएँ रखने तथा गति बढाने के लिए आवश्यक जानकारी दी जानी चाहिए |
6. कंम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए स्वयं में भी प्रशिक्षण पध्दति के अनुरुप अनुभवी प्रशिक्षक की क्षमताओं का विकास करना आवश्यक है |
7. वास्तविक प्रयोगकर्ताओं को हिंदी सॉफटवेयर का समुचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे पूर्ण क्षमता से कंम्प्यूटर पर हिंदी में कार्य कर सकें
8. यूँ कि इटरनेट पर भी विभिन्न पोर्टलों में हिंदी और अन्यभारतीय भाषाओं में ई - मेल आदि भेजणे कि सुविधा उपलब्ध है, अत: ऐसे में हिंदी सॉप्टवेयर के प्रशिक्षण को अधिक महत्वपूर्ण बनना चाहिए |
9. कंम्प्यूटर विज्ञान एक स्वतंत्र विषय के रुप में विकसित हो चूका है | अत: हिंदी में एक सुनिश्चित कम्प्यूर व्यवहार की बुनियादी शब्दावली तैयार करनी चाहिए | यह कार्य वैज्ञानिक, कंम्प्यूटर विशेषज्ञ भाषाविद तथा हिंदी कार्यान्वयन से जूडे अनुभवी व्यक्ति एक साथ मिलकर कामकर सकते हैं |
10. कंम्प्यूटर व्यवहार एवं अनुप्रयोग के लिए प्रयुक्त सामग्री एवं शब्दावाली का मानक हिंदी संस्करण तैयार करना एवं इसे प्रशिक्षणार्थियों को उपलब्ध कराना एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य है |
11. कंम्प्यूटररीकरण के व्यापक कार्यक्रमों के अनुरुप समूचित प्रशिक्षण की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है | कंम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए बनाई जानेवाली योजनाओं में देवनागरी के माध्यम से ऑपरेटर पध्दति विश्नषक तथा कंम्प्यूटर अधिकारियोंके प्रशिक्षण की भी पूर्ण व्यवस्था जरुरी है |
12. कार्यालयके लिए प्रारंभ में ही द्विभाषीक कंम्प्यूटर खरीदे जाये | एक बार केवल अंग्रेजी के कंम्प्यूटर या संसाधक लग जानेके बाद उनके स्थान पर द्विभाषी स्पॉफटवेयर की व्यवस्था वित्तीय व्यवस्था वित्तीय दृष्टीसे नुकसान दायक होगी और संचालन परिचालन कि दृष्टीसेभी उसमे कई कठीनाईयॉ आसक्ती है |

13. विदेशी एवं भारतीय कपनियों तथा संस्थाऔ व्दारा विकसीत किए गए हिंदी और भारतीय क्षेत्रीय भाषाओंमे अन्यान्य सॉप्टवेयरों की विशिष्ट जानकारी दी जानी चाहिए |
14. हिंदी में कंम्प्युटर प्रशिक्षण सामग्री हैन्डआऊट अद्यतन, रोचक एवं सृजनात्मक हो |
15. भावी कंम्प्युटर तकनिकीपर हिंदी में शोधपरक एवं सुबोध, पुस्तको मोनोग्राकों आदि का अनुसृजन हो |
16. भारतीय भाषा प्रौद्यगिकी के अंरतणकी गति को तेज किया जाए ताकि विदेशों में भी लोंगो को इसकी जानकारी मिल सके |
17. भाषा विज्ञान, भाषा शिक्षण तथा भाषा अध्ययन के पाठयपुस्तको में सूचना प्रौद्योगिकी मोडयूल का समावेश हो
18. कंम्प्युटर के क्षेत्र में नए - नए प्रयोगों एवं निष्कर्षोकिं पारिभाषिक शब्दावली हिंदी में उपलब्ध करायी जानी चाहिए |

निष्कर्ष

इस प्रकार हम निष्कर्ष रुप में कहते हैं कि मानव और मशीन के बीच संवाद कि स्थिती पैदा करणे के लिए जहॉ व्यवहारीक प्रशिक्षण उपर्युक्त सूचना प्रणाली तथा बहुभाषी प्रौद्योगिकी के उपकरणोंका विकास कर उन्हे लोंगो को सुलभ करना जरुरी है | सूचना प्रद्योगिकी में हिंदी ने अपने आपको एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त करलिया है | इंटरनेट और कंम्प्युटर के विशेषज्ञोनें देवनागरी लिपीकी सर्वाधिक शुध्दता एवं सार्थकता स्वीकार कर ली है | आज हिंदी संपूर्ण कंम्प्युटर जगत पर अपना अधिपत्य जमाने में पूर्णतथा सक्षम है | इतनाही नहीं तो उपयुक्त सूचनाप्रणाली तथा बहुभाषी प्रौद्योगिकी के उपकरणों का विकास कर उन्हे लोगो को सुलभ करना जरुरी है वही हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में कंम्प्युटर के विशेषज्ञोनें देवनागरी लिपी की सर्वाधिक शुध्दता एवं सार्थकता स्वीकार कर ली है | आज हिंदी संपूर्ण कंम्प्युटर जगत पर अपना अधिपत्य जमाने में पूर्णतया सक्षम है | इतनाही नहीं तो उपर्युक्त सुचना प्रणाली तथा बहुभाषी प्रौद्योगिकी के उपकरणोंका विकास कर उन्हे लोंगोको सुलभ करणा जरुरी है | वही हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं मे कंम्प्युटर यंत्रो के प्रयोग अनुप्रयोग को बढावा देणा भी अंत्यत आवश्यक हो गया है

संदर्भ सूची -

1) डॉ . त्रिभवननाथ शुक्ल - हिंदी कंप्युटिंग
2) डॉ . स्मिता मिश्र - मिडिया और हिंदी साहित्य
3) डॉ . लक्ष्मीकांत पाण्डेय - संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग
4) डॉ . चंद्रप्रकाश मिश्र - मिडिया लेखन - सिंध्दात और व्यवहार
5) संपादक - बी . एस . शातांबाई - हिंदी प्रचारवाणी, बेंगलोर